

मंग ५९७५/२०१८/सीधी/भृ-४० ७४

न्यायालय श्रीमान् सदस्य, मोप्र० राजस्व मंडल ग्वालियर, वृत्त-रीवा मोप्र०



रविशंकर सोनी तनय श्यामलाल सोनी, तहसील-रामपुर नैकिन जिला-सीधी मोप्र०

—निगरानी कर्ता

बनाम

पुरुषोत्तम दास सोनी तनय श्यामलाल सोनी तहसील-रामपुर नैकिन जिला-सीधी
मोप्र०

—गैरनिगराकार

मध्य० न्यायालय
दास २७.७.१८
मान्यवर,
ज्ञानीय अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित आदेश दिनांक 27.06.2018
संकेत क्र० ३०२५९/प्र०/२०१६-२०१७

निगरानी अन्तर्गत धारा ५० मोप्र०भृ-राजस्व संहिता १९५९
विलोप आदेश उपखन्ड अधिकारी चुरहट/रामपुर नैकिन,
जिला सीधी के प्रकरण क्र०२५९/अपील/२०१६-२०१७
आदेश दिनांक 27.06.2018

निगरानी कर्ता माननीय अधीनस्थ न्यायालय उपखन्ड अधिकारी चुरहट/
रामपुर नैकिन, जिला सीधी के प्रकरण क्र०२५९/अपील/२०१६-२०१७ आदेश दिनांक
27.06.2018 से व्यतिथ हो यह निगरानी निम्न आधारो पर प्रस्तुत कर विनयी है
कि:-

1. यह कि अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित आदेश विधि एवं प्रक्रिया के विपरीत होने से निरस्त योग्य हैं।
2. यह कि अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित आदेश दिनांक 27.06.2018 पारित करने में ऐसी अधिकारिता का प्रयोग किया है जो वरिष्ठ न्यायालय एवं माननीय राजस्व मंडल द्वारा प्रतिपादित सिद्धान्तो के विपरीत होने से निरस्त योग्य है।
3. यह कि माननीय अधीनस्थ न्यायालय ने प्रश्नगत आदेश पारित करते समय प्रकरण का अवलोकन किये बगैर ही आदेश पारित किया है, जिससे अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित आदेश निरस्त किये जाने योग्य है।
4. यह कि अधीनस्थ तहसील न्यायालय के समक्ष प्रत्यर्थी द्वारा धारा 248 मोप्र०भृ-राजस्व संहिता के अन्तर्गत आवेदन पत्र प्रस्तुत किये जाने पर तहसीलदार महोदय द्वारा विधि एवं प्रक्रिया व मोप्र०राजस्व संहिता के

१४
मुहम्मद

७१
राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश गवालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ-अ

प्रकरण क्रमांक R. 5975-जानू. 18 जिला सीधा

राव शंकर सोनी

विरुद्ध पुरुषोन्म दास सोनी

2

3

18-12-18

1. आवेदक की ओर से श्री जगेन्द्र कुमार अधिवक्ता
द्वारा यह निगरानी अनुबिभागीय अधिकारी तहसील रामगढ़ी के
प्रकरण क्रमांक २५९/असील । १६-१७ में पारित
आदेश दिनांक २७-६-१८ के विरुद्ध प्रस्तुत की
गयी है। म०प्र० भू-राजस्व संहिता में दिनांक 25.09.2018 को हुये
संशोधन के फलस्वरूप अब नवीन संधोधित संहिता की धारा 50
सहपठित संहिता की धारा 54(ए) के अंतर्गत सुनवाई हेतु प्रकरण
कलेक्टर सीधा के न्यायालय को अंतरित किया
जाता है। उभयपक्ष दिनांक ६-३-१९ को
कलेक्टर सीधा के न्यायालय में सुनवाई हेतु
उपस्थित हो।

✓
सदस्य

✓
मा